आन्तरिक मन की निर्मलता और स्वच्छता लेखनी में शक्ति प्रदान करेगी-दादी जानकी

माउण्ट आबू, 15, जून। स्वच्छता और निर्मलता ही हमारे श्रेष्ठ कर्मों का आधार होता है। आज समाज के सभी वर्गों के लोगों को इसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। इससे ही मीडियाकर्मियों के लेखनी में शक्ति आ सकती है। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे ज्ञान सरोवर, माउण्ट आबू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में देश भर से आये मीडियाकर्मियों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि हमारी वृत्ति और दृष्टि हमारे कर्मों का मार्गदर्शन प्रदान करती है। मीडियाकर्मियों में आन्तरिक सशक्तिकरण आ जाये तो इनकी लेखनी श्रेष्ठ समाज में परितर्वन कर सकती है। आज समाज दिनोदिन दूषित होता जा रहा है। ऐसे में हमारी जिम्मेवारी बनती है कि हम इसे परिवर्तन करने की पहल करें।

दिल्ली से आयी केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय अधीन सूचना एवं तकनीकी आयोग सदस्य श्रीमती इंन्द्रा कृष्ण कुमार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में मीडिया की अहम भूमिका है। इसलिए मीडियाकर्मियों को समाचार लेखन से पूर्व ह्दय की आवाज सुनकर जनहित में कार्य करने में तत्पर रहना चाहिए। मीडियाकर्मियों की लेखनी हर मनुष्य के मानसिक धरातल पर प्रभाव डालती है चाहे वह नकारात्मक हो या सकारात्मक। व्यर्थ के विचारों को समाप्त करने के लिए मन में आध्यात्मिकता को स्थान देना होगा। मूल्यों को जीवन में उतारने का भरसक प्रयास करें।

दिल्ली से आये प्रख्यात पत्रकार तथा स्तम्भकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक ने कहा कि पत्रकारों को स्वयं की आचार संहिता स्वयं ही बनानी चाहिए। जो कार्य वे अपने लिए नहीं चाहते उसे दूसरों के लिए भी नहीं करना चाहिए। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र. कु. मोहिनी ने कहा कि राजयोग के अभ्यास मानव मन को शक्ति मिलती है। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र. कु. ओम प्रकाश ने कहा मीडिया में किसी देश के निर्माण एवं विध्वंस करने की समान क्षमता है। धनोपार्जन की लालसा व प्रतिस्पर्धा की लालसा व प्रतिस्पर्धा के कारण हो रहा मूल्यों का पतन चिंता का विषय है। मीडिया का बदलता रूप समाज में भौतिकता प्रदान कर मानवीय मूल्यों को पतना करने में भूमिका निभा रहा है। इसे गम्भीरता से लेना चाहिए।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र. कु. करूणा ने कहा कि मीडिया के अभूतपूर्व तकनीकी विकास के बावजूद मानव सरोकार और मानवीय मूल्य हाशिये पर आ गये है। जिन्हें सही दिशा में ले जाने में मीडियाकर्मियों का अहम रोल होता है। इस मौके पर मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. शान्तनु ने सभी का आभार व्यक्त किया। तथा कार्यक्रम का संचालन ब्र. कु. चन्द्रकला ने किया।